पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – नाटक एवं काव्येतर गद्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. नाटक के किसी **एक** तत्व का नाम बताइए।
2. जयशंकर प्रसाद ने कुल कितने नाटक लिखे ?
3. गीतिनाट्य 'अन्धायुग' में कुल कितने पात्र हैं ?
4. सावित्री किस चर्चित नाटक का पात्र है ?
5. बालमुकुन्द गुप्त किस युग के निबन्धकार थे ?
6. उन्होंने 'प्रहरी' से लेखन आरम्भ किया और 'वसुधा' नामक साप्ताहिक पत्र का 3 वर्ष तक प्रकाशन किया। ये पंक्तियाँ किस रचनाकार के सन्दर्भ में हैं ?
7. 'मामी' रेखाचित्र के रचनाकार का नाम क्या है ?
8. 'सैनिक', 'विशाल भारत', 'बिजली', 'प्रतीक' और 'वाक' पत्रिका के सम्पादक का नाम क्या है ?

खण्ड—ब

9. नाट्य रस से आपका क्या अभिप्राय है ?

10. विचारात्मक निबन्ध की कोई **दो** विशेषताएँ लिखिए।

11. प्रसादोत्तर युग से आप क्या समझते हैं ?

12. करुणालय नाटक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

13. 'प्यासी नदी' एकांकी का सार लिखिए।

14. 'अंधायुग' से लेखक का क्या तात्पर्य है ?

खण्ड—स

15. नाटक और रंगमंच में परस्पर क्या सम्बन्ध है ? स्पष्ट कीजिए।

16. निबन्ध की महत्वपूर्ण विशेषताएँ लिखिए।

17. भारतेन्दु युग का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

18. प्रायश्चित नाटक का संक्षिप्त सार लिखिए।

खण्ड—द

19. विष्णु प्रभाकर का साहित्यिक जीवन परिचय लिखिए।

20. हिन्दी आत्मकथा लेखक की परम्परा का वर्णन कीजिए।

21. 'मामी' के चरित्र की व्याख्या कीजिए।

22. हिन्दी व्यंग्य निबन्धों में 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' क्यों विशेष है ? उदाहरण सहित लिखिए।

खण्ड—इ

23. 'काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था' निबन्ध का मूल प्रतिपाद्य समझाइए।

24. अभिनेयता की दृष्टि से 'आधे-अधूरे' नाटक की विवेचना सप्रमाण कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – कथा साहित्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. परीक्षा गुरु के लेखक का नाम और प्रकाशन वर्ष बताइए।
2. गोदान का प्रकाशन वर्ष बताइए।
3. 'अपने-अपने अजनबी' उपन्यास के लेखक का नाम बताइए।
4. शेखर के पिता का क्या नाम है ?
5. कृष्णा सोबती का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
6. 'छाया' कहानी संग्रह में कुल कितनी कहानियाँ हैं ?
7. 'दादा कामरेड' किसका उपन्यास है ?
8. 'पिता' कहानी के लेखक का नाम बताइए।

खण्ड—ब

9. उपन्यास की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

10. प्रेमचंद के उपन्यासों के नाम लिखिए।

11. शेखर एक जीवनी की पात्र 'शशि' पर टिप्पणी कीजिए।

12. कृष्णा सोबती के उपन्यासों के नाम लिखिए।

13. हिंदी की पहली कहानी का निर्धारण कीजिए।

14. जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक परिचय को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स

15. गोदान के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

16. शेखर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

17. 'समय-सरगम' की मूल संवेदना समझाइए।

18. हिंदी कहानी की परंपरा और विकास पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—द

19. प्रेमचंद के औपन्यासिक दृष्टि की विवेचना कीजिए।

20. 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण कीजिए।

21. शतरंज के खिलाड़ी कहानी की समीक्षा कीजिए।

22. जैनेद्र कृत 'पत्नी' कहानी का विवेचन और विश्लेषण कीजिए।

खण्ड—इ

23. हिंदी उपन्यासों की विकाास परंपरा पर प्रकाश डालिए।

24. अमरकांत कृत 'जिंदगी और जोंक' कहानी की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. ध्वनि विज्ञान को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ?
2. 'लड़के' में सहरूप क्या है ?
3. 'द्रविड़' किस भाषा खण्ड की भाषा है ?
4. 'ए', 'ओ' का उच्चारण वैदिक संस्कृत में किस तरह था ?
5. अर्थ परिवर्तन की कितनी दिशाएँ हैं ?
6. शैली के लिए 'style' शब्द लैटिन में किस शब्द से निष्पन्न हुआ है ?
7. सिन्धी किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
8. राजभाषा का प्रावधान संविधान के किस भाग में है ?

खण्ड—ब

9. भाषा को परिभाषित कीजिए।

10. वाक्य क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

11. 'अर्थ संकोच' को स्पष्ट कीजिए।

12. राजभाषा और राज्यभाषा क्या है ?

13. प्राचीन आर्यभाषा क्या है ?

14. दंतव्य ध्वनियाँ क्या हैं ?

खण्ड—स

15. रूपिम क्या है ?

16. 'पालि' की स्वन विषयक प्रमुख बातें क्या हैं ?

17. प्राचीन आर्य-भाषा की ध्वनि संबंधी विशेषताएँ लिखिए।

18. पूर्वी हिन्दी को स्पष्ट करते हुए भेद लिखिए।

खण्ड—द

19. शैली विज्ञान क्या है ? स्पष्ट करते हुए लेख लिखिए।

20. हिन्दी की संवैधानिक स्थिति को संक्षेप में लिखिए।

21. मध्यकालीन आर्यभाषाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

22. अर्थ संरचना को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—इ

23. भाषा विज्ञान की प्रमुख अंग कौन-कौन हैं ? सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

24. भाषा शिक्षण को स्पष्ट करते हुए प्रमुख विधियों को उदाहरण सहित समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. "नयी कविता वैविध्यमय जीवन के प्रति आत्म चेतस व्यक्ति की प्रतिक्रिया है।" यह किसने कहा है ?
2. नरेश कुमार मेहता किस तारसप्तक के कवि हैं ?
3. 'जंगल का दर्द' के रचनाकार का नाम लिखिए।
4. धर्मवीर भारती का जन्म कहाँ हुआ ?
5. अशोक वाजपेयी का जन्म छत्तीसगढ़ के किस जिले में हुआ ?
6. आधुनिक गीत को 'नवगीत' की संज्ञा किसने दी ?
7. सोहनलाल द्विवेदी का जन्म कब हुआ ?
8. 'इदं न मम' किसकी रचना है ?

खण्ड—ब

9. गिरिजाकुमार माथुर का जीवन परिचय लिखिए।

10. शमशेर की 'लौट आ, ओ धार' का मूलभाव क्या है ?

11. 'नाश और निर्माण' कविता का मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

12. नंदकिशोर आचार्य का साहित्यिक योगदान लिखिए।

13. वीरेन्द्र मिश्र के कृतित्व का परिचय दीजिए।

14. गोपालदास 'नीरज' के गीति-काव्य में मूल्यबोध पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—स

15. अशोक वाजपेयी की जीवनी बताते हुए, उनके साहित्यक योगदान को लिखिए।

16. धर्मवीर भारती के काव्य में अनुभूति-पक्ष को रेखांकित कीजिए।

17. "भवानी प्रसाद मिश्र मानवीय संवेदना के कवि हैं।" स्पष्ट कीजिए।

18. रमानाथ अवस्थी के गीतों में परिवेशगत विषमता के चित्रण को सोदाहरण लिखिए।

खण्ड—द

19. नयी कविता के विकास को रेखांकित कीजिए।

20. गिरिजाकुमार माथुर के काव्य में लोकजीवन के चित्रण को उदाहरण सहित समझाइए।

21. नवगीत के स्वरूप को बताते हुए विशेषताएँ लिखिए।

22. बालस्वरूप राही के शिल्प को लिखिए।

खण्ड—इ

23. 'ब्रह्मराक्षस' कविता की मूल संवेदना को सविस्तार लिखिए।

24. 'कुआनो नदी' में ग्राम्य संवेदना और संस्कृति को प्रतीकात्मक रूप से किस तरह चित्रित किया है ? स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**